मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संविधान क्लब में आयोजित सहकार सदस्यता अभियान के शुभारंभ समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्हें एपेक्स बैंक द्वारा 1.28 करोड़ रुपये और कॉनफेड द्वारा 21.73 लाख रुपये की लाभांश राशि के प्रतीकात्मक चेक भी भेंट किए गए।

मुख्यमंत्री ने संविधान क्लब में सहकार सदस्यता अभियान की शुरुआत की

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने सहकारी समितियों की संख्या में 10 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य रखा है

जयपुर, 2 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में देश में सहकारिता के माध्यम से समृद्धि की एक नई और सशक्त कहानी लिखी जा रही है। इसी दिशा में राजस्थान सरकार भी सहकारिता की शक्ति से प्रदेश के चहुँमुखी विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य में 2 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक चलने वाले सहकार सदस्यता अभियान का उद्देश्य सहकारिता आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाना है।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि इस अभियान के तहत पूरे प्रदेश में 8,300 प्राथमिक कृषि साख समितियों (पैक्स) पर सदस्यता शिविर आयोजित किये जा रहे हैं।**
- **सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल के नेतृत्व में राजस्थान ने सहकारिता के क्षेत्र में शीर्ष पाँच राज्यों में जगह प्राप्त की है।**

मुख्यमंत्री शर्मा राजधानी जयपुर स्थित संविधान क्लब में आयोजित सहकार सदस्यता अभियान के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत, प्रदेश भर की लगभग 8,300 प्राथमिक कृषि साख समितियों (पैक्स) पर सदस्यता शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इस दौरान कुल पांच विभागीय गतिविधियों को समन्वित रूप से चलाया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने सहकारी समितियों की संख्या में कम से कम 10 प्रतिशत की वृद्धि का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिससे सहकारिता की पहुंच और प्रभाव क्षेत्र को विस्तारित किया जा सके।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने अब तक 77 लाख से अधिक किसानों को 42,765 करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त अल्पकालीन फसली ऋण वितरित किया है। इसके अलावा, 2.48 लाख नए किसानों को 433 करोड़ रुपये का ऋण प्रदान किया गया है, जबकि 30 हजार से अधिक लाभार्थियों को 260 करोड़ रुपये के आजीविका ऋण दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि सहकारिता केवल एक आर्थिक मॉडल नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक दायित्वों को निभाने का सशक्त माध्यम भी है। उन्होंने बताया कि सहकारिता क्षेत्र में देश की सबसे बड़ी विकेन्द्रीकृत अन्न भंडारण योजना के तहत, पैक्स स्तर पर गोदामों और भंडारण केन्द्रों का निर्माण किया जा रहा है।

इस अवसर पर सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में सहकारिता की गतिविधियों को नई दिशा मिली है और राज्य सहकारिता के क्षेत्र में देश के शीर्ष पाँच राज्यों में स्थान प्राप्त कर रहा है। वहीं, पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि डेयरी क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए सरकार ने लगभग 700 करोड़ रुपये से अधिक की बजट सौगातें दी हैं और सरस उत्पादों की गुणवत्ता तथा मांग में निरंतर वृद्धि हो रही है।

इस अवसर पर सहकारिता विभाग की ओर से मुख्यमंत्री को एपेक्स बैंक द्वारा 1.28 करोड़ रुपये और कॉनफेड द्वारा 21.73 लाख रुपये की लाभांश राशि के प्रतीकात्मक चेक भी भेंट किए गए। समारोह में प्रमुख शासन सचिव सहकारिता मंजू राजपाल, आरसीडीएफ एमडी श्रुति भारद्वाज सहित, बड़ी संख्या में सहकारिता सदस्य उपस्थित थे।

सोनिया गांधी ने महात्मा गांधी व शास्त्री को श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली, 02 अक्टूबर। कांग्रेस संसदीय दल की नेता तथा पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने राष्ट्रिपिता महात्मा गांधी तथा पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उनकी समाधि पर पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

गांधी पहले बापू के समाधि स्थल राजघाट गईं और पुष्प अर्पित कर राष्ट्रिपिता को श्रद्धांजलि दी। उसके बाद उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की समाधि विजयघाट जाकर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। देश को सत्य, शांति और अहिंसा का मार्ग दिखाने वाले बापू और अपने दृढ़ संकल्प से देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले शास्त्री जी को आज पूरा देश याद कर रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे अस्वस्थ होने के कारण बेंगलुरु में उपचाराधीन हैं, जबकि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी देश में नहीं हैं। दिल्ली में मौजूद गांधी ने कांग्रेस की तरफ से दोनों महापुरुषों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

- **वे पहले राजघाट और फिर विजय घाट गईं और पुष्प अर्पित किये।**

खंडवा में मूर्ति विसर्जन के दौरान बड़ा हादसा, 11 की मौत

दुर्गा मूर्ति विसर्जन करने जा रही ट्रॉली के तालाब में गिरने से हादसा हुआ

- **हादसा जामली गांव में हुआ, ट्रैक्टर ट्रॉली में क्षमता से ज्यादा लोग थे इसलिए ट्रॉली पुलिया से पलट कर तालाब में गिर गई।**
- **11 मृतकों में से 9 बच्चियां हैं, डूबे हुए लोगों की तलाश की जा रही है।**

खंडवा, 02 अक्टूबर। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में बड़ा हादसा हो गया। नवरात्रि उत्सव के बाद माता की प्रतिमा विसर्जन के लिए जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली पुलिया पार करते समय तालाब में गिर गई। यह हादसा पंधाना थाना क्षेत्र के जामली गांव में हुआ। शुरू में पांच मौतों की खबर आई थी, लेकिन अब मृतकों की संख्या बढ़ कर 11 हो चुकी है। हादसे में मारे गए लोगों में ज्यादातर बच्चे हैं। सभी शवों को पंधाना सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया जा रहा है। फिलहाल घटना स्थल पर रेस्क्यू अभियान जारी है। नावों पर लाइट लगाकर सर्चिंग की जा रही है। हादसे की जानकारी मिलते ही कलेक्टर और एसपी मौके पर पहुंच गए थे।

प्राथमिक जानकारी के मुताबिक खंडवा जिले के पंधाना क्षेत्र के ग्राम अर्दला और जामली से आए 30-35 लोग ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर तालाब पर पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि ट्रॉली पर जरूरत से ज्यादा लोग बैठे थे। पुलिया पर खड़ी होने के दौरान संतुलन बिगड़ने से ट्रॉली पलटकर तालाब में गिर गई। इस दर्दनाक हादसे में अब तक 11 लोगों के शव बरामद किए गए हैं, जिनमें 9 बच्चियां शामिल हैं। जेसीबी की मदद से ट्रॉली को बाहर निकाल लिया गया है और प्रशासनिक अमला मौके पर मौजूद है। फिलहाल रेस्क्यू अभियान जारी है। हालांकि प्रशासन का कहना है कि सभी लापता लोगों के शव मिल चुके हैं, पर ऐहतियातन सर्चिंग की जा रही है।

इंदौर (ग्रामीण) रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अनुराग ने बताया कि यह हादसा तब हुआ, जब पंधाना क्षेत्र में दुर्गा देवी की मूर्तियों को विसर्जन के लिए जा रही ट्रैक्टर ट्रॉली श्रद्धालुओं समेत तालाब में पलट गई। पुलिस और प्रशासन के साथ ही एसडीआरएफ और स्थानीय गोताखोरों की मदद से बचाव अभियान जारी है। उन्होंने बताया कि ट्रैक्टर ट्रॉली पर सवार श्रद्धालु ग्रामीण क्षेत्र के अलग-अलग पंडालों में नवदुर्गा उत्सव के दौरान स्थापित मूर्तियों को तालाब में विसर्जित करने जा रहे थे। उन्होंने बताया कि हमें पता चला है कि हादसे के बाद पांच-छह श्रद्धालु तालाब से जीवित बाहर आ गए। पुलिस महानिरीक्षक ने बताया कि हादसे के कारण का पता लगाया जा रहा है।

सीएम मोहन यादव ने भी घटना पर दुख जताया है। सीएम ने मृतकों के निकटतम परिजनों को 4-4 लाख की सहायता राशि तथा घायलों को नजदीकी अस्पताल में समुचित उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। देवी मां दुर्गा से सभी घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ और शोक संतप्त परिजनों को संबल हेतु प्रार्थना है।

बीजापुर में 103 माओवादियों का एतिहासिक आत्मसमर्पण

इसमें 49 ईनामी माओवादी हैं जिन पर कुल एक करोड़ से भी ज्यादा का ईनाम है

बीजापुर, 02 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ सरकार की नक्सल उन्मूलन नीति एवं पुनर्वास योजनाओं ने एक बड़ी सफलता प्राप्त की है, जहां बीजापुर जिले में 103 माओवादियों ने ऐतिहासिक आत्मसमर्पण किया है। इनमें 1 करोड़ 6 लाख 30 हजार रुपये के इनाम वाले 49 इनामी माओवादी भी शामिल हैं, जिन्होंने बुधवार को वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

- **छत्तीसगढ़ सरकार ने आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के लिए पुनर्वास नीति चला रखी है, जिसके तहत उन्हें त्वरित सहायता के रुप में 50 हजार रु. दिए जाते हैं।**

यह आत्मसमर्पण छत्तीसगढ़ शासन की "पुनर्मिलन-पुनर्वास से पुनर्जीवन" नीति की एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। समर्पण करने वालों में डीव्हीसीएम, पीपीसीएम, एसीएम सहित विभिन्न स्तरों के वरिष्ठ नेता शामिल हैं। आत्मसमर्पण के पीछे मुख्य कारणों में माओवादी संगठन में बढ़ते आंतरिक मतभेद, सुरक्षा बलों की प्रभावी कार्रवाई और शासन की विकासोन्मुखी योजनाओं का सुदूर क्षेत्रों तक पहुंचना है। विशेष रूप से रेवोल्यूशनरी पीपुल्स कमेटी (आरपीसी) के सदस्य बड़ी संख्या में मुख्यधारा में लौट रहे हैं। इस वर्ष अब तक जिले में 410 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है, जबकि 421 गिरफ्तार किये गये हैं और 137 मुठभेड़ों में मारे गए हैं।

दलाई लामा ने आरएसएस की प्रशंसा की

नागपुर, 02 अक्टूबर। तिब्बत के आध्यात्मिक नेता दलाई लामा ने गुरुवार को भारत की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और उसे समृद्ध बनाने के लिए एक शताब्दी से अधिक समय से समर्पित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की सेवाभाव की प्रशंसा की।

- **उन्होंने एक संदेश में कहा कि इसके सदस्य कर्तव्य और समर्पण की दृढ़ भावना से काम करते हैं।**

उन्होंने आरएसएस के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर एक संदेश में कहा कि इसके सदस्य कर्तव्य और समर्पण की दृढ़ भावना से काम करते हैं। यह संदेश यहां आयोजित आरएसएस शताब्दी समारोह में साझा किया गया।

दलाई लामा ने पिछले पचास वर्षों में आरएसएस के साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों पर विचार करते हुए संगठन के मानवीय मूल्यों, धार्मिक सद्भाव को बढ़ावा देने और भारत के प्राचीन ज्ञान की रक्षा के कार्यों की सराहना की। उन्होंने भारत में तिब्बती समुदाय के लिए आरएसएस के समर्थन को भी स्वीकार किया। उन्होंने शैक्षिक और सामाजिक विकास के लिए दूरदराज के क्षेत्रों में संगठन की पहुंच और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राहत प्रदान करने में इसकी सक्रिय भूमिका का उल्लेख किया।

अंबानी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने कहा कि साझेदारी बॉटलिंग, तकनीक और ब्रांडिंग से जुड़े समझौतों पर आधारित होगी। कंपनी भागीदार कंपनियों का अधिग्रहण करने की योजना नहीं बना रही है।

"कैंपा श्योर" की कीमतें 250 मिलीलीटर की बोतल के लिए सिर्फ 5 रुपए से शुरू होंगी। इसे अगले पखवाड़े में उत्तरी भारत में उतारा जाएगा।

इसके बड़े पैक मौजूदा राष्ट्रीय ब्रांडों से 20-30 प्रतिशत सस्ते होंगे। उदाहरण के लिए, एक लीटर की "कैंपा श्योर" बोतल 15 रुपए में बिकेगी, जबकि इस श्रेणी के प्रमुख खिलाड़ी, बिसलेरी, कोका-कोला की "किन्ले" और पेप्सीको की "एक्वफीना" की एक लीटर की बोतलें 20 रुपए में बिकती हैं। दो लीटर का पैक "कैंपा श्योर" का 25 रुपए में मिलेगा, जबकि प्रतियोगी कंपनियों के पैक 30-35 रुपए में बिकते हैं।

रिलायंस पहले से ही अपनी "इन्डिपैन्डैंस" स्टेपल्स फ्रैंचाइज़ के तहत एक और पैकेज्ड वॉटर ब्रांड बेच रही है, जिसकी कीमत "कैंपा श्योर" से ज्यादा है।

अमेरिका में ट्रंप ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस पर गांधी ने कहा कि आरएसएस की विचारधारा "कमजोरों को पीटना" और ताकतवरों से दूर भागना है।

गांधी ने वहाँ इंजीनियरिंग छात्रों से कहा कि साम्राज्य ऊर्जा परिवर्तन के दौर में उभरते हैं। "ब्रिटिशों ने स्टीम इंजन और कोयले पर नियंत्रण किया, वे महाशक्ति बने। हमने उस साम्राज्य से लड़ाई लड़ी और 1947 में आज़ादी हासिल की। ब्रिटिशों के बाद, अमेरिकियों ने कोयला और स्टीम से पेट्रोल और इंजन तक बदलाव की यात्रा की। अब नया बदलाव बैटरी और इलेक्ट्रिक मोटर का है। अमेरिका, जिसका विश्व के प्रति समुद्री दृष्टिकोण है, और चीन, जिसकी जमीनी दृष्टि है, दोनों के बीच असली लड़ाई यही है कि यह बदलाव कौन संभालेगा। अब तक चीनी आगे चल रहे हैं।"

अमेरिका के बारे में बोलते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की ध्रुवीकरण की राजनीति बेरोजगारों को निशाना बना रही है। उन्होंने कहा, "भारत में आर्थिक वृद्धि के बावजूद हम नौकरियाँ नहीं दे पा रहे हैं, क्योंकि हमारी अर्थव्यवस्था सेवाओं पर आधारित है और हम उत्पादन नहीं कर पा रहे। अमेरिका में ट्रंप के साथ ज्यदातर वही लोग ध्रुवीकृत हैं, जिन्होंने निर्माण क्षेत्र में अपनी नौकरियाँ खोईं। चीन ने बिना लोकतंत्र के माहौल में उत्पादन कर दिखाया है। लेकिन हमें लोकतांत्रिक ढाँचे में उत्पादन का ऐसा मॉडल खड़ा करना होगा, जो चीन से प्रतिस्पर्धा कर सके।"

जैसी कि उम्मीद थी, भाजपा ने विपक्ष के नेता पर पलटवार किया। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने एक्स पर कहा, "एक बार फिर राहुल गांधी विपक्ष के नेता नहीं, बल्कि प्रोपेगेंडा के नेता की तरह व्यवहार कर रहे हैं। वे विदेश जाकर भारतीय लोकतंत्र पर हमला करते हैं। कभी अमेरिका और ब्रिटेन से हमारे मामलों में दखल की माँग करते हैं और अब यह सब कर रहे हैं। सेना से लेकर न्यायपालिका तक, संविधान से लेकर सनातन तक, सब पर हमला।" केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने गुरुवार को कहा, "जब किसी पार्टी का नेतृत्व राहुल गांधी जैसे लोग करेंगे, जो शहरी नक्सल जैसी हरकत करते हैं, तो स्वाभाविक है कि बाकी कांग्रेसी नेता भी वही भाषा बोलेंगे।"

पाकिस्तान में सोलर पंपों की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वाली मक्का की खेती का क्षेत्र 10 प्रतिशत घट गया।

पाकिस्तान में ट्यूबवेल की कुल संख्या के हालिया आधिकारिक अनुमान उपलब्ध नहीं हैं, क्योंकि, उनकी रजिस्ट्री की ज़रूरत नहीं होती। लेकिन इनका इस्तेमाल इतना व्यापक है कि सौर ऊर्जा से बिजली बनाने वाले किसानों के कारण 2025 तक के तीन वर्षों में, कृषि क्षेत्र द्वारा खपत की जाने वाली ग्रिड बिजली की मात्रा में 45 प्रतिशत गिरावट आने की संभावना है। यह अनुमान ऊर्जा अर्थशास्त्री अम्मार हबीब का है, जो पाकिस्तान के बिजली मंत्री के सलाहकार हैं। उनका अनुमान राष्ट्रीय ऊर्जा प्राधिकरण के खपत आँकड़ों पर आधारित है।

रॉयटर्स की गणना, जो हबीब के आँकड़ों पर आधारित है और हबीब तथा लाहौर स्थित नवीकरणीय ऊर्जा विशेषज्ञ सैयद फ़ैज़ान अली शाह ने इसकी समीक्षा की है, से पता चलता है कि करीब 4 लाख ट्यूबवेल, जो पहले ग्रिड बिजली से चलते थे, अब सौर ऊर्जा पर चल रहे हैं। हबीब का अनुमान है कि किसानों ने 2023 से अब तक लगभग 2.5 लाख नए सौर ट्यूबवेल भी खरीदे हैं। यानी, पाकिस्तान में कुल मिलाकर लगभग 6.5 लाख ट्यूबवेल धूप से चल रहे हैं। पाकिस्तान में कृषि के सौर ऊर्जा की ओर बढ़ते झुकाव और इसकी वजह से भूजल स्तर कम होने पर यह पहली विस्तृत रिपोर्ट है।

- **सिंचाई की इस व्यवस्था के कारण किसान चावल की खेती ज्यादा करने लगे हैं, जिसमें पानी बहुत चाहिए। किसानों ने चावल के खेतों में दिन में चार-चार बार पानी देना शुरु कर दिया है।**
- **गत दो साल, 2023-25 में 30 प्रतिशत और ज्यादा जमीन पर चावल की खेती होने लगी है।**
- **चीन में सोलर पैनल बनाने की भारी क्षमता है और पाकिस्तान इन पंपों के लिए सबसे बड़ा मार्केट बन गया है। चीन की अबाधित सप्लाई के कारण यह पैनल बहुत सस्ते हो गये हैं। यह भी एक कारण है, सोलर पंपों की बढ़ती माँग के पीछे। सोलर पंपों के दाम 80 प्रतिशत तक गिर चुके हैं, दूसरी ओर 2023 में बिजली के दामों में अचानक वृद्धि हुई थी, साथ ही पावर ग्रिड से प्राप्त बिजली की सप्लाई इर्रैग्युलर है।**

सन् 2023 में बिजली दरों में तेज़ बढ़ोतरी से प्रोत्साहित होकर पाकिस्तान में सौर ऊर्जा का उपयोग तेज़ी से बढ़ा है। यही रुझान अब दुनिया के अन्य देशों में भी देखा जा रहा है। चीन में सौर पैनलों के बड़े पैमाने पर उत्पादन की वजह से 2017 से अब तक पैनल की कीमतें 80 प्रतिशत गिर गई हैं। इसी कारण हरे-भरे ब्राज़ील से लेकर सूखा प्रभावित इराक तक, किसान अब सिंचाई के लिए धूप का इस्तेमाल करने लगे हैं।

बद्रीनाथ धाम के कपाट 25 नवम्बर को बंद होंगे

श्री बदरीनाथ धाम, 02 अक्टूबर। उत्तराखंड में स्थित चार धामों में से एक श्री केदारनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए 23 अक्टूबर को और श्री बदरीनाथ धाम के कपाट 25 नवंबर को बंद होंगे। श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) की गुरुवार को विजयादशमी पर हुई बैठक में पंचांग गणना के बाद यह फैसला लिया गया। समिति के मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ ने बताया कि कपाट बंद होने की प्रक्रिया के अंतर्गत, पंच पूजाओं के पहले दिन 21 नवंबर को भगवान गणेश की पूजा होगी।

प्र.मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सामर्थ्य की ओर भी ध्यान आकर्षित किया, जो न केवल देश को सशक्त बना सकती है, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकती है।

सरकार ने लद्दाख ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दर्जनों लोग, जिनमें पुलिसकर्मी भी शामिल थे, घायल हुए।

इसके बाद हुई सख्त कार्रवाई में की गई और 50 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया।

एलएबी और केडीए की मुख्य मांग है, चार मौतों की न्यायिक जाँच, जिनके बारे में उनका दावा है कि वे सीआरपीएफ की गोलीबारी में मारे गए। उनमें से एक थे त्सेवांग थरचिन, जो लद्दाख स्काउट्स में तैनात एक सैनिक थे और 1999 में पाकिस्तान के खिलाफ करगिल युद्ध में लड़ चुके थे।

अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 हटाए जाने और जम्मू-कश्मीर राज्य के विभाजन के बाद लद्दाख को अलग केंद्रशासित प्रदेश बनाया गया था। उस समय, लेह के कई लोगों जिनमें सोनम वांगचुक भी थे, ने इस निर्णय का स्वागत किया था।

लेकिन एक साल के भीतर, लोगों में असंतोष बढ़ने लगा क्योंकि उन्हें लगा कि उपराज्यपाल के प्रशासन में राजनीतिक रिक्तता है।

इसके बाद बड़े पैमाने पर विरोध और भूख हड़तालें शुरू हुईं। पहली बार बौद्ध बहुल लेह और मुस्लिम बहुल करगिल के राजनीतिक व धार्मिक समूह एकजुट हुए। तब से सरकार के साथ कई दौर की वार्ताएं हो चुकी हैं, लेकिन कोई ठोस समाधान नहीं निकला है। मार्च में लद्दाखी प्रतिनिधियों ने गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की थी।

अक्टूबर में शुरु ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सेनाओं के बीच पूर्वी लद्दाख में वर्ष 2020 में हुई हिंसक झड़प के बाद से सीधी उड़ान सेवा बंद है।

मंत्रालय ने कहा है कि इस वर्ष के शुरू से भारत और चीन के बीच संबंधों को धीरे-धीरे सामान्य बनाने की दिशा में सरकार के प्रयासों के तहत दोनों देशों के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण सीधी हवाई सेवाओं को फिर से शुरू करने और एक संशोधित हवाई सेवा समझौते पर तकनीकी स्तर की चर्चा कर रहे थे।

'सरकार के प्रति असंतोष की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परिवर्तन हुआ है, जो हमारे लिए चिंता का विषय है। भारत में गड़बड़ी फैलाना चाह रहीं ताकतें देश के अंदर और बाहर, दोनों तरफ सक्रिय हैं। उन्होंने यह भी कहा कि "जनता की स्थिति को ध्यान में रख कर नीतियां नहीं बनतीं तो असंतोष पैदा होता है, पर उस असंतोष की हिंसक अभिव्यक्ति से परिवर्तन नहीं आता।"

भागवत ने 22 अप्रैल की पहलगाम की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि सीमा पार से आए आतंकवादियों ने 26 भारतीय नागरिक पर्यटकों को इसलिए मार डाला, क्योंकि वे हिंदू थे। उन्होंने कहा, "सरकार और सेना ने मई में इसका करारा जवाब दिया और हम सभी ने देश के नेतृत्व, हमारी सेना के शौर्य और समाज की एकता व संकल्प के प्रेरणादायक दृश्य देखे।"

लेकिन इसके साथ ही, यह भी स्पष्ट हो गया है कि हमें यथासंभव सतर्क रहना होगा और अपनी सुरक्षा क्षमताओं को और मजबूत करना होगा। उन्होंने कहा कि इस पूरे घटनाक्रम से यह भी पता चला कि हमारे सच्चे मित्र कौन हैं और वे हमारे साथ कितनी दूर तक खड़े रहने को तैयार हैं।

भारत के खिलाफ अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ (शुल्क वृद्धि) पर टिप्पणी करते हुए, उन्होंने स्वदेशी के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, आयात पर निर्भरता कभी भी मजबूरी नहीं बननी चाहिए। स्वदेशी का कोई विकल्प नहीं है। हमें मित्र राष्ट्रों के साथ, अपनी शर्तों पर तथा बिना किसी दबाव के, संबंध बनाए रखते हुए, आत्मनिर्भरता को और मजबूत करना होगा।

भागवत ने यह भी कहा कि उग्रवादी नक्सल आंदोलन को काफी हद तक नियंत्रित कर लिया गया है, जो सरकार की कड़ी कार्रवाई और लोगों द्वारा नक्सल विचारधारा के खोखलेपन को समझने का परिणाम है। लेकिन उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में सामाजिक न्याय, सतत विकास, सद्भावना, सहानुभूति और समरसता सुनिश्चित करने के लिए एक समग्र कार्ययोजना की आवश्यकता पर बल दिया।

दिन की शुरुआत में, उन्होंने आरएसएस मुख्यालय में पारंपरिक "शस्त्र पूजन" किया। पारंपरिक हथियारों के साथ-साथ, आधुनिक हथियारों की प्रतिकृतियां, जैसे पिनाका रॉकेट सिस्टम और ड्रोन भी रेशीमबाग में प्रदर्शित किए गए। इस अवसर पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस भी उपस्थित थे।

इस वर्ष की विजयदशमी रैली ने आरएसएस के 100 वर्षों की पूर्णता को प्रदर्शित किया। आरएसएस की स्थापना 27 सितंबर 1925 को (उस दिन दशहरा था) डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा अपने कुछ साथियों के साथ की गई थी। पिछले 100 वर्षों में यह संगठन हिंदू धर्म और परंपराओं की रक्षा हेतु समर्पित विश्व का सबसे बड़ा सामाजिक संगठन बन चुका है। देशभर में लाखों लोग संघ की शाखाओं में भाग लेते हैं।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, जो दलित आइकन हैं, की उपस्थिति को संघ के "सामाजिक समरसता" कार्यक्रम के तहत, शताब्दी वर्ष में सभी वर्गों को साथ जोड़ने की प्रतिबद्धता के रूप में देखा जा रहा है। कोविंद ने अपने संबोधन में कहा कि उनके जीवन पर संविधान निर्माता डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर और संघ संस्थापक डॉ. हेडगेवार दोनों का गहरा प्रभाव रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि वे इस बात से खुश हैं कि आधुनिक भारत का सबसे बड़ा जन संगठन, विश्व के सबसे प्राचीन हिंदू धर्म की सेवा करते हुए 100 वर्ष पूरे कर चुका है।

आरएसएस मुख्यालय में हुई इस शताब्दी रैली में रेशीमबाग मैदान में भारी जनसमूह उपस्थित था। मोहन भागवत के मुख्य भाषण से पहले, गणवेशधारी स्वयंसेवकों द्वारा जो ड्रिल प्रस्तुत की गई, उसमें हर वर्ष की तुलना में दोगुनी संख्या थी।

संघ के नागपुर महानगर प्रमुख राजेश लोया ने अपने प्रारंभिक संबोधन में कहा कि संघ की जनस्वीकृति में भारी वृद्धि हुई है और इसके साथ ही उससे अपेक्षाएं भी बढ़ गई हैं। उन्होंने बताया कि अमेरिका, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया और थाईलैंड सहित, कई देशों के अतिथि भी विशेष रूप से इस रैली में उपस्थित हैं।

पीओके में सेना की फायरिंग, 8 प्रदर्शनकारी मरे

मुजफ्फराबाद, 02 अक्टूबर। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू कश्मीर के कई शहरों और कस्बों में गरीबी और बदइंतजामी से नाराज होकर सड़क पर प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पाक सुरक्षा बलों की गोलीबारी की अलग-अलग घटनाओं में आठ लोगों की मौत हो गई और 26 अन्य घायल हो गए।

सूत्रों के अनुसार, जम्मू और कश्मीर अवामी एक्शन कमेटी (जेकेएएसी) के प्रमुख नेता शौकत नवाज मीर के आव्हान पर इन नाराज लोगों ने कई इलाकों से मुज़फ़्फ़राबाद की ओर एक लंबा मार्च शुरू किया था। अपुष्ट सूत्रों के अनुसार, कोटली इलाके में रावलकोट और बाग से मुज़फ़्फ़राबाद की ओर कूच कर रहा करीब दो हजार लोगों का काफिला जब धीरकोट इलाके में पहुंचा तो पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी करनी शुरु कर दी। इस घटना में चार नागरिक मारे गए और लगभग सोलह घायल हो गए। धीरकोट में हुई हिंसा के विरोध में जब मुज़फ़्फ़राबाद के लाल चौक पर लोगों ने धरना दिया तो पुलिस ने धरना दे रहे इन लोगों पर गोलीबारी की और आंसू गैस के गोले दागे। इस घटना में दो लोगों के मारे जाने की खबर है। इसके अलावा, चकसवारी और इस्लामगढ़ से मुज़फ़्फ़राबाद की ओर मार्च कर रहे जेकेएएसी कार्यकर्ताओं के एक काफिले पर पुलिस ने गोलीबारी की, जिसमें दो लोगों की मौत होने और लगभग दस अन्य के घायल होने का समाचार है। पीओके सरकार के मुख्य सचिव ने जेकेएएसी नेताओं को बातचीत के लिए आमंत्रित किया, लेकिन साथ ही एक नोटिस भी जारी किया।

- **पाक अधिकृत कश्मीर में गरीबी और बदइंतजामी से दुखी जनता सड़कों पर उतर आई है**
- **पाकिस्तान की सरकार और सेना आंदोलन का दमन करने पर आमादा है और चेतावनी दी है कि अगर विरोध प्रदर्शन वापस नहीं लिया तो और भी कड़ी कार्यवाही की जाएगी।**

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032, फैक्स: 0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908